अमर उजाला

शुक्रवार, 14 जुलाई 2017

एसएमएस में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) में 'पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च' विषय पर सात दिवसीय (6 जुलाई से 12 जुलाई) फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. अजहर काजमी (किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स, सउदी अरब) ने वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। संस्था के निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि वे दिन समाप्त हुए जब शिक्षण रोजगार का अंतिम विकल्प था। वर्तमान में शिक्षकों को अपने कार्यों में निपुण एवं दक्ष होना होगा।

दैनिक जागरण

वाराणसी, 13 जुलाई 2017

निपुण शिक्षक बनने के लिए अतिरिक्त प्रयास की जरूरत

वाराणसी : स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंस वाराणसी में बुधवार को फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत चल रहे 'पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च' विषयक सात दिवसीय कार्यशाला का समापन बुधवार को हुआ। मुख्य अतिथि सउदी अरब स्थित किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स के प्रो. अजहर काजमी ने वर्तमान समय में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को शिक्षण शैली के विभिन्न तरीकों का उपयोग करने के साथ ही अपनी अलग शैली विकासित करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने की जरूरत पर बल दिया। कहा कि बेहतर शिक्षक बनने के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता होती है। संस्था के निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि शिक्षकों को अपने कार्य में निपुण होना होगा। विद्यार्थी पहले से अधिक सजग व लक्ष्य केंद्रित हो गए हैं।

संचालन डा. पल्लवी पाठक व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक डा. आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर संस्था के अधिशासी सचिव डा. एमपी सिंह, रजिस्ट्रार संजय गुप्ता, डा. अविनाश चंद्र सुपकर आदि उपस्थित थे।

दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 13 July 2017

निपुण शिक्षक बनना है तो करना होगा अतिरिक्त प्रयास

» स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में वक्ताओं ने दिए टिप्स

varanasi@inext.co.in

VARANASI (12 July): स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च विषय पर सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया. अंतिम दिन कार्यक्रम के चीफ गेस्ट किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रौलियम एंड मिनरल्स के प्रो. अजहर काजमी ने वर्तमान परिपेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला. संस्थान के निदेशक प्रो पीएम झा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों को सचेत किया कि वह दिन अब शिक्षण रोजगार का अंतिम विकल्प नहीं है.

वर्तमान में शिक्षकों को अपने कार्य में निपुण और दक्ष होना जरुरी है. इससे पूर्व डॉ अविनाश चंद्र सुपकर ने सात दिवसीय कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का विस्तृत विवरण दिया. वक्ताओं में प्रो हरिकेष सिंह, प्रो एम ए उस्मानी, प्रो एम एस पाण्डेय, प्रो प्रमोद पाठक आदि उपस्थित थे. कार्यक्रम का संयोजन एसएमएस के डीन डॉ आलोक कुमार ने और संचालन डॉ पल्लवी पाठक ने किया. इस मौके पर संस्थान के सचिव डॉ एमपी सिंह और रजिस्ट्रार संजय गुप्ता मौजूद थे.

दैनिक जागरण

रविवार, 09 जुलाई, 2017

एसएमएस में एफडीपी कार्यक्रम आयोजित

वाराणसी : एसएमएस में शनिवार को पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एंड रिसर्च विषय पर एफडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन छपरा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. हरीकेश सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के माध्यम से सूचनाएं एवं जानकारी हासिल करना आसान हो गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रो. जीशान आमीर, डा. अनुपम शुक्ला, डा. आलोक कुमार, डा. एमपी सिंह, संजय गुप्ता आदि ने भी विचार रखे। संचालन डा. पल्लवी पाठक व अंजू सिंह ने किया।

14.07.2017

गांडीव

उपभोक्ताओं को उनकी ... अतिरिक्त पैसा ... कि

'निपुण शिक्षक' बनने के लिए अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता –प्रो.अजहर काज़मी

काशी। स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइन्सेस (एसएमएस) वाराणसी में 'पीडैगोजिकल एप्रोच एंड कन्टेन्ट मैनेजमेन्ट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड

रिसर्च' विषयक सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो.अजहर काज़मी (किंग फहद यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स, धहरान, सऊदी अरब) ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारी पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षण में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि इंटरनेट के युग में जानकारी तो प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, परन्तु ज्ञान नहीं। प्रो.काज़मी ने संसाधनों का शिक्षण में न्यायसंगत उपयोग पर भी बल दिया। उन्होंने प्रतिभागी शिक्षकों को शिक्षण शैली के भिन्न प्रकारों का उपयोग करने को कहा और साथ ही अपनी अलग शैली विकसित करने के निरन्तर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो.काज़मी ने एसएमएस वाराणसी को कार्यक्रम आयोजित करने पर धन्यवाद दिया और कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में ऐसे कार्यक्रम विलुप्त होते जा रहे हैं। यह संस्थान ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करके शिक्षकों एवं शिक्षा जगत के लिए उत्तम उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो.पी.एन.झा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्रतिभागियों को संबोधित किया कि वह दिन गये जब शिक्षण रोजगार का अन्तिम विकल्प था। वर्तमान में शिक्षकों को अपने कार्य में निपुण एवं दक्ष होना होगा, क्योंकि शिक्षा व्यवस्था के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। विद्यार्थी भी अब पहले से ज्यादा सजग एवं लक्ष्य केन्द्रित हो गये हैं। प्रो.झा ने इसलिए शिक्षकों को अपने विषय के लिए प्रतिबद्ध एवं जिज्ञासु बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि अध्यापकों एवं उनके अध्यापन में गुणवत्ता लाने हेतु संस्थान सदैव तत्पर रहा है एवं आने वाले समय में विभिन्न विषयों पर कई और एफडीपी आयोजित किये जायेंगे जिसमें पूर्वांचल ही नहीं बल्कि देश के अन्य भागों के शिक्षक भी लाभान्वित होंगे। इसके पूर्व डा.अविनाश चंद्र सुपकर ने इस सात दिवसीय कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों के वक्ताओं जिसमें प्रो.हरिकेश सिंह (कुलपति, जे. पी. विश्वविद्यालय छपरा), प्रो. एम. एउजमानी (भूतपूर्व प्राचार्य आईबीसी एमआरटी लखनऊ), प्रो.एम.एस. पांडेय (अंग्रेजी विभाग बीएचयू, वाराणसी) तथा प्रो.प्रमोद पाठक (आईएसएम धनबाद) के सत्रों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के संयोजक एवं एसएमएस वाराणसी के डीन आर एंड डी डा.आलोक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए कहा कि एसएमएस वाराणसी प्रतिवर्ष ऐसे कार्यक्रमों को आयोजित करके अध्यापकों को आने वाले सत्रों के लिए सशक्त तथा अनुसंधान के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम का संचालन डा.पल्लवी पाठक (कार्यक्रम समन्वयक) ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिशासी सचिव डा.एम.पी.सिंह एवं रजिस्ट्रार संजय गुप्ता भी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान
रविवार, 09 जुलाई 2017, वाराणसी,

प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण शिक्षक का कर्तव्य

वाराणसी। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) में पिडेगोजिकल एप्रोच एण्ड कान्टेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च विषयक सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन शनिवार को मुख्य अतिथि जेपी विश्वविद्यालय छपरा के प्रो. हरिकेश सिंह ने कहाकि वर्तमान में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट पर प्रचुर मात्रा में सूचनाएं उपलब्ध है। इसमें से प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण ही शिक्षक का कर्तव्य है। संस्था के निदेशक प्रो. पीएन झा, जीबीएएमएस मिर्जापुर के निदेशक प्रो. जीशान आमीर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुपम श्रीवास्तवने भी विचार रखे। धन्यवाद डॉ. आलोक कुमार व संचालन डॉ. पल्लवी पाठक व अंजु सिंह ने किया। इस मौके पर अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह व रजिस्ट्रार संजय गुप्ता भी थे।

हिन्दुस्तान

• वाराणसी • गुरुवार • 13 जुलाई 2017

इंटरनेट युग में दिखती है ज्ञान की कमी

वाराणसी। किंग फहद यूनिवर्सिटी आफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स (सऊदी अरब) के प्रो.अजहर काजमी ने कहा है कि इंटरनेट के युग में जानकारी तो प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, परंतु ज्ञान नहीं। प्रो. काजमी बुधवार को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी (एसएमएस) में 'पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च' विषयक सात दिवसीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

प्रो.काजमी ने शिक्षण में संसाधनों के न्याय संगत उपयोग व प्रतिभागी शिक्षकों से अलग शिक्षण शैली विकसित करने पर जोर दिया। निदेशक प्रो.पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया। समापन सत्र में डॉ. अविनाश चंद्र सुपकर ने सात दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी। विभिन्न सत्रों में जेपी विश्वविद्यालय (छपरा) के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह, प्रो. एमए उस्मानी, प्रो. एमएस पांडेय, प्रो. प्रमोद पाठक आदि ने विचार व्यक्त किए। संयोजक डॉ.आलोक कुमार ने धन्यवाद ने दिया। संचालन कार्यक्रम समन्वयक डॉ.पल्लवी पाठक ने किया।

दैनिक जागरण

inext

Varanasi, 9 July 2017

SMS में फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

VARANASI (8 July): स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस में पीडेगोज़िकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च विषयक सात दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया है. जेपी यूनिवर्सिटी, छपरा के वीसी च चीफ गेस्ट प्रो. हरिकेश सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट पर इंफार्मेशन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, लेकिन उनमें से प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण ही टीचर्स का कर्तव्य है. इससे पहले संस्थान के डायरेक्टर प्रो. पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया. गेस्ट ऑफ ऑनर डॉयरेक्टर जीबीएएमएस मिर्जापुर प्रो. जीशान आमीर रहे. समन्वयक डॉ. अनुपम शुक्ला ने प्रोग्राम की रूपरेखा प्रस्तुत की. डॉ. आलोक कुमार ने धन्यवाद ने दिया.

काशीवार्ता न्यूज़, वाराणसी
7/07/2017

प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण ही शिक्षक का कर्तव्य

वाराणसी। काशीवार्ता न्यूज

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस) में पिडेगोजिकल एप्रोच एण्ड कान्टेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च विषयक सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तीसरे दिन शनिवार को मुख्य अतिथि जेपी विश्वविद्यालय छपरा के प्रो. हरिकेश सिंह ने कहाकि वर्तमान में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट पर प्रचुर मात्र में सूचनाएं उपलब्ध है। इसमें से प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण ही शिक्षक का कर्तव्य है। संस्था के निदेशक प्रो. पीएन झा, जीबीएएमएस मिजार्पुर के निदेशक प्रो. जीशान आमीर व कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुपम श्रीवास्तवने भी विचार रखे। धन्यवाद डॉ. आलोक कुमार व संचालन डॉ. पल्लवी पाठक व अंजु सिंह ने किया। इस मौके पर अधिशासी सचिव डॉ. एमपी सिंह ,व रजिस्ट्रार संजय गुप्ता भी थे।

काशीवार्ता न्यूज़, वाराणसी
13.07.2017

शिक्षण में संसाधनों के न्याय संगत उपयोग पर जोर

वाराणसी (काशीवार्ता न्यूज)। किंग फहद यूनिवर्सिटी आफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स (सऊदी अरब) के प्रो. अजहर काजमी ने कहा है कि इंटरनेट के युग में जानकारी तो प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है, परन्तु ज्ञान नहीं। प्रो. काजमी बुधवार को स्कूल आफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलाजी (एसएमएस) में पेडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेट मैनेजमेंटइन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च विषयक सात दिवसीय सेमिनार के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

प्रो. काजमी ने शिक्षण में संसाधनों के न्याय संगत उपयोग व प्रतिभागी शिक्षकों से अलग शिक्षण शैली विकसित करने पर जोर दिया। निदेशक प्रो. पीएन झा ने अतिथियों का स्वागत किया। समापन सत्र में डा. अविनाश चन्द्र सुपकर ने सात दिवसीय कार्यक्रम की जानकारी दी। विभिन्न सत्रों में जेपी विश्वविद्यालय (चपरा) के कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह, प्रो. एमएस उस्मानी, प्रो. एमएस पांडेय, प्रो. प्रमोद पाठक आदि ने विचार व्यक्त किये। संयोजक डा. आलोक कुमार ने धन्यवाद दिया। संचालन कार्यक्रम समन्वक डा. पल्लवी पाठक ने किया।

the pioneer

LUCKNOW | FRIDAY | JULY 14, 2017

Faculty development programme held

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

Seven-day Faculty Development Programme (FDP) on 'Pedagogical approach and content management in professional education and research', organised by School of Management Sciences (SMS) concluded at its Khushipur Campus here on Wednesday. The chief guest of valedictory session, Prof. Azhar Kazmi (King Fahad University, Saudi Arabia) hailed the institute for organising such programmes on regular basis, which he observed were becoming lower in priority among B.Schools.

He also appreciated the coverage of the topic and interest of the participant, coming from various institutes of Uttar Pradesh. He highlighted the changing roles and responsibilities of faculties in the present era of technology where abundant of information is available to both teachers and students. He emphasised on the need of innovation in teaching style and pedagogy. He elaborated the participants to walk an extra mile beyond the books and to use the resources available judiciously. Further, he mentioned that he has developed a special bonding with SMS-Varanasi because of his association with the institute and regular part of various programmes.

Valedictory function of FDP being held at SMS in Varanasi on Wednesday

Pioneer

Prof. PN Jha, Director, SMS-Varanasi and Programme Director of FDP, in his welcome address, reminded that gone are the days when 'teaching' was assumed to be the last resort as career. Now the expectations of various stakeholders has undergone a pragmatic metamorphosis, so a teacher must become competent in his delivery and personality as a whole. To excel in the profession, he stressed the need for inculcating a habit of 'commitment' and 'passion' of learning for a subject, among faculty.

Earlier, Dr. Avinash Chandra Supkar presented the summary report of the seven days programme. He presented the proceedings of all the technical sessions, key learning and the outcomes. He stated that there were 12 sessions deliberated by various eminent and famous people in their respective fields. The speakers include Prof. Pramod Pathak (Prof. & Head, IIT-Dhanbad), Prof. MA. Usmani (Former Principal, ICCMRT, Lucknow), Prof. MS Pandey (English Dept. BHU), Prof. Zeeshan Amir (Director, GDAMS, Mirzapur) and Prof. Harikesh Singh (V-C, JP. University, Chappra). Later, in the session, Neetu Ranjan Aggarwal, Rajat K. Lal as a participants shared their experience and learning.

The vote of thanks was presented by Programme Convener, Dr. Alok Kumar. The valedictory session was coordinated by Programme Coordinator, Dr. Pallavi Pathak. On this occasion, Executive Secretary Dr. MP Singh and Registrar of the institute Sanjay Gupta were also present.

पायनियर

लखनऊ, शुक्रवार, 14 जुलाई , 2017

निपुण शिक्षक बनने के लिए अतिरिक्त प्रयास जरूरी: प्रो. काजमी

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

स्कूल आफ मैनेज़मेंट साइंसेज (एसएमएस) में 'पीडेगोजिकल एप्रोच एण्ड कान्टेन्ट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एण्ड रिसर्च' विषयक सात दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेण्ट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सऊदी अरब के किंग फहद विश्वविद्यालय आफ पेट्रोलियम एण्ड मिनरल्स के प्रोफेसर अजहर काज़मी ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारी की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

उन्होंने शिक्षण में नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इन्टरनेट की दुनिया में बड़ी मात्रा में जानकारी उपलब्ध है पर ज्ञान का अभाव है। प्रो. काजमी ने संसाधनों का शिक्षण में न्यायसंगत उपयोग करने की बात कही। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि वह दिन गए जब शिक्षण रोजगार का अंतिम विकल्प था। वर्तमान में शिक्षकों को अपने कार्य में निपुण एवं दक्ष होना होगा, क्योंकि शिक्षा व्यवस्था के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं में आमूल चूल परिवर्तन हुआ है। विद्यार्थी भी अब पहले से ज्यादा सजग एवं लक्ष्य केन्द्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अध्यापकों को अध्यापन की गुणवत्ता के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। इससे पूर्व डा. अविनाश चन्द्र सुपकर ने सात दिवसीय कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का विवरण प्रस्तुत किया। विभिन्न सत्रों के वक्ताओं में प्रो. हरीकेष सिंह, प्रो. एमए उस्मानी, प्रो. एसएस पाण्डेय, प्रो. प्रमोद पाठक ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. पल्लवी पाठक ने किया व धन्यवाद ज्ञापन डा. आलोक कुमार ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिशासी सचिव डा. एमपी सिंह व रजिस्ट्रार संजय गुप्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा
वाराणसी
मंगलवार • 11 जुलाई • 2017

शिक्षक बनें आविष्कारक

वाराणसी। स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेस में आयोजित पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च सात दिवसीय कार्यशाला में शिक्षा व तकनीक पर चर्चा हुई। मुख्य अतिथि जेपी विवि छपरा के कुलपति प्रो. हरिकेष सिंह ने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के माध्यम से सूचनाएं व जानकारी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को अविष्कारक बनने की जरूरत है। निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि आवश्यकता एवं प्रासंगिकता का महत्व शिक्षा के क्षेत्र में मायने रखता है। शोध एवं विकास के क्षेत्र में संस्थान के योगदान का उन्होंने वर्णन किया। विशिष्ट अतिथि प्रो. जीशान आमरी निदेशक जीबीएएमएस मिर्जापुर ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था एक बदलाव से गुजर रही है। इस परिस्थिति में शिक्षकों को अध्यापन में आमूलचूल परिवर्तन करने की जरूरत है। समन्वयक डा. अनूप शुक्ला ने प्रतिभागियों को समय की जरूरत के हिसाब से स्वयं को ढालने की सलाह दी। उन्होंने अनुसंधान के महत्व को देश के विकास से जोड़कर समझाया। धन्यवाद ज्ञापन डा. आलोक कुमार ने तथा संचालन डा. पल्लवी पाठक ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिशासी सचिव डा. एमपी सिंह एवं रजिस्ट्रार संजय गुप्ता के साथ ही विद्यार्थी व प्रतिभागी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सहारा

वाराणसी। शुक्रवार • 14 जुलाई • 2017

आज के युवा सुपर पावर बदलनी होगी शिक्षण तकनीक

एसएमएस में सात दिवसीय कार्यशाला संपन्न

वाराणसी। स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेस में आयोजित पीडेगोजिकल एप्रोच एंड कंटेंट मैनेजमेंट इन प्रोफेशनल एजुकेशन एंड रिसर्च सात दिवसीय कार्यशाला गुरुवार को संपन्न हो गयी। शिक्षा व तकनीक पर चर्चा करते हुए मुख्य अतिथि किंग फहद यूनिवर्सिटी आफ पेट्रोलियम एंड मिनरल्स धहाराना सऊदी अरब के प्रो. अजहर काजमी ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। वर्तमान के युवा सुपर पावर है क्योंकि उनके पास इंटरनेट की शक्ति है। इन को शिक्षित करने के लिए शिक्षण में तकनीक

का उपयोग करना ही होगा। साथ ही शिक्षकों को भी अप-टू-डेट होना होगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया एवं इंटरनेट के माध्यम से सूचनाएं व जानकारी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इनमें से प्रासंगिक वस्तुओं का उद्धरण ही शिक्षक का कतर्व्य है। प्रतिभागी शिक्षकों को विभिन्न शिक्षण शैली का उपयोग करने को कहा। उन्होंने शिक्षकों को आविष्कारक बनने की जरूरत बतायी। संस्थान के निदेशक प्रो. पीएन झा ने कहा कि आवश्यकता एवं प्रासंगिकता का महत्व शिक्षा के क्षेत्र में मायने रखता है। शोध एवं विकास के क्षेत्र में संस्थान के योगदान का वर्णन किया। कहा कि वर्तमान में शिक्षको को अपने कार्य में दक्ष भी होना पड़ेगा। शिक्षा व्यवस्था बदलाव से गुजर रही है। छात्रों की सामाजिक सांस्कृतिक अपेक्षाएं परिवर्तित हो रही हैं। इस परिस्थिति में शिक्षकों को अध्यापन में आमूल चूल परिवर्तन करने की जरूरत है। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डा. आलोक कुमार ने दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को समय की जरूरत के हिसाब से स्वयं को ढालने की सलाह दी। उन्होंने अनुसंधान के महत्व को देश के विकास से जोड़कर समझाया। संचालन डा. पल्लवी पाठक ने किया। इस अवसर पर संस्थान के अधिशासी सचिव डा. एमपी सिंह एवं रजिस्ट्रार संजय गुप्ता के साथ ही विद्यार्थी व प्रतिभागी उपस्थित थे।

the pioneer

LUCKNOW, MONDAY JULY 10, 2017;

SMS holding FDP on pedagogical approach & content management

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

School of Management Sciences (SMS) is holding a week-long faculty development programme on 'Pedagogical approach and content management in professional education & research' at its premise in Khushipur here.

Inaugurating the programme the Vice-Chancellor of JP University, Chhapra Prof Harikesh Singh said that pedagogy is an epistemological approach and reminded merely telling is not teaching and merely listening is not learning and added that to be a good teacher it is important to be a good human being first. Teacher should be a great discover and he must inspire his students to be become a good leader he further said.

Guest of honour Prof Zeeshan Amir, Director, GBAMS, Mirzapir highlighted that the educational system is changing a lot because there are socio-cultural shift in learner's expectation so there is an urgent need in change in pedagogy which must be articulated, creative and suitable to learner's capability.

Earlier, the Director of SMS Prof PN Jha welcomed the guests and highlighted the importance of pedagogical approach in professional education and the relevance of managing the contents of delivery to the participants. He emphasised on the need for developing collaborate orientation amongst participants during the FDP.

The programme coordinator Dr Anupam Shukla said that the aim of programme is to provide insights into contemporary nature of teaching and reaserach in the era of fast changing technology an psychological mindsets in order to equip teachers better and added that the FDP acts as a refresher course for the SMS faculty who get enriched to take on academic drills involving students of PGDM, MBA and MCA PG level courses cover the next year.

This annual exercise has resulted in faculty writing papers in international journals or presenting their academic findings in research papers in international conferences and the growth on this parameter is very encouraging for institute he further said.

Dr Pallavi Pathak coordinated the inaugural session and the Dean R&D, SMS Prof Alok Kumar offered a vote of thanks at last.

While many were present including Executive Secretary Dr MP Singh and registrar Sanjay Gupta.